Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 31, शुक्रवार, 23 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

दो हजार पदों के लिए 23 को लगेगा रोजगार मेला

वाराणसी। क्षेत्रीय सेवा योजन कार्यालय चौकाघाट में 23 फरवरी को दो हजार पदों के लिए रोजगार मेला सुबह 11 बजे से लगेगा। मेले में देश भर की लगभग 30 कंपनियां भाग ले रही हैं। जिसमें जी फॉर एच ग्रुप, वेलेस्पन इंडिया, उत्कर्ष फाइनेंस बैंक, मयूर शूटिंग-शर्टिंग, वर्धमान, एसआरबीएच ग्रुप आदि शामिल हैं। मेले में हाईस्कूल, इंटर, बीए, बीकॉम, बीएससी, एमबीए डिग्री धारक भाग ले सकते हैं । मेला प्रभारी दीप सिंह ने बताया कि मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना है।

यूपी: पूर्व BSP विधायक नसीमुद्दीन सिद्दीकी हुए कांग्रेस में शामिल

यूपी (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एआईसीसी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इस अवसर पर बसपा के कई पूर्व मंत्री, विधायक एवं पूर्व विधान पार्षद सदस्य भी कांग्रेस में शामिल हुए। आजाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इन बड़े नेताओं का कांग्रेस में शामिल होना बदलते हुए समय का संकेत है। इस अवसर पर मौजूद उप्र कांग्रेस के अध्यक्ष राजबब्बर ने कहा कि इन नेताओं के पार्टी में आने से जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति मजबूत होगी। यह पूछे जाने पर कि इतने सारे बसपा नेताओं के कांग्रेस में आने से क्या बसपा कहीं खाली तो नहीं हो जाएगी, आजाद ने कहा कि इनमें से अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्हें स्वयं मायावती ने बसपा से निकाला था। उन्होंने कहा कि ये नेता कांग्रेस में बिना किसी शर्त के शामिल हुए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इन नेताओं के आने से विपक्ष में व्यापक गठबंधन बनाने पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, आजान ने कहा कि व्यापक गठबंधन बड़े लक्ष्यों को लेकर बनाया जाता है। इससे व्यापक गठबंधन पर असर नहीं पड़ेगा।

सीएस पहुंचे पीएमओ रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव पीएमओ पहुंचे और अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के समक्ष विधायकों ने उन पर हमला बोला । मुख्य सचिव पर विधायक द्वारा हमले की पहली इस प्रकार की वारदात है। इस कारण मुख्य सचिव ने प्रधान मंत्री कार्यालय पहुंचकर अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री के समक्ष पूरी घटना घटी, इसलिए पूरे प्रकरण पर विवाद गहरा गया है व प्रधानमंत्री कार्यालय मामले की गंभीरता समझ रहा है। असल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े लोग उस बैठक को खाद्य आपूत्तर्ि से संबंधित मामला बता रहे हैं, लेकिन मुख्य सचिव ने साफ कर दिया है सोमवार की बैठक टीवी को विज्ञापन जारी करने के लिए बुलाया गया था। यह विज्ञापन दिल्ली सरकार के तीन साल पूरे होने पर जारी किया जाना था, लेकिन 10 विभागों ने इसे जारी करने की अनुमति नहीं भेजी जिससे विज्ञापन नहीं जारी हो पाया। अब विधायकों ने विज्ञापन जारी करने का दबाव बनाने मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की।

अफसरों का मुख्यमंत्री व मंत्रियों की बैठकों में भाग न लेने का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा की विधाई समिति द्वारा बुधवार को बुलाई गई बैठक में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश नहीं पहुंच सके। विधायी समिति के सदस्य सौरभ भारद्वाज ने बैठक का समय समाप्त होने के बाद मुख्य सचिव पर आरोप लगाया कि आईएएस एसोसिएशन द्वारा बैठक में शामिल होने के निर्णय के कारण मुख्य सचिव बैठक से अनुपस्थित रहे। भारद्वाज ने कहा कि यह बैठक 20 फरवरी को तय थी लेकिन मुख्य सचिव ने समय मांगा तो 21 फरवरी को तीन बजे बैठक तय कर दी गई, लेकिन मुख्य सचिव के ओएसडी ने बताया कि मुख्य सचिव पीएमओ गए हैं। फिर बैठक पांच बजे तय की गई। हमने पांच बजे से 6.15 बजे तक इंजजार किया लेकिन मुख्य सचिव नहीं पहुंचे। कहा गया कि मुख्य सचिव बीमार हैं व अस्पताल गए हैं। आईएएस, दानिक्स व दास काडर एसोसिएशन की संयुक्त बैठक में बुधवार को निर्णय लिया गया कि तीनों काडर के अधिकारी मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री की बैठक में शामिल नहीं होंगे। यह फैसला तुरंत लागू होगा। इससे मंत्री को बैठक करना मुश्किल हो जाएगा। आज के निर्णय का असर वृहस्पतिवार को दिखेगा।

तीन साल में 10 अफसर बने केजरीवाल के कोपभाजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सत्ता संभालते ही प्रशासनिक अधिकारियों को टारगेट पर ले लिया। ऐसे में केजरीवाल और अधिकारियों के बीच विवाद का रिश्ता चोली-दामन जैसा है। केजरीवाल के तीन साल के कार्यकाल में दस आईएएस अधिकारियों के साथ कतिपय कारणों से विवाद रहा। केजरीवाल के कोपभाजन के शिकार अधिकारियों ने दिल्ली सचिवालय से ट्रांसफर कराने में ही भलाई समझी।किस-किस अधिकारियों से केजरीवाल का हुआ विवाद।

शकुंतला गैमलीन : सबसे पहले प्रमुख सचिव शकुंतला गैमलीन से मुख्यमंत्री का विवाद हुआ। मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही ऑटो चालकों को संबोधित करते हुए मंच से शकुंतला को करप्ट अधिकारी कह दिया। केजरीवाल ने कहा कि एलजी शकुंतला को चीफ सेक्रेटरी बनाना चाहते हैं। उस समय शकुंतला ने भी सरकार से दो-दो हाथ किए। फिर वह दिल्ली सरकार से पीछा छुड़ाकर मुख्य सचिव बनकर अरुणाचल प्रदेश चली गई। इस समय वह केंद्र सरकार में प्रमुख सचिव पद पर तैनात हैं। **अनिंदो मजूमदार :** दिल्ली सरकार में प्रमुख सचिव (सर्विस) थे। मुख्यमंत्री ने किसी विषय को लेकर उन्हें आर्डर इश्यू करने को कहा था, लेकिन उन्होंने साफ मना कर दिया। मुख्यमंत्री के इशारे पर सचिवालय में अनिंदो मजूमदार के कमरे में ताला जड़ दिया गया। वह आफिस आए तो कमरा बंद। उनका चार्ज राजेंद्र कुमार को दे दिया गया। मजूमदार ने भी अपना ट्रांसफर ले लिया। वह इस समय अंडमान निकोबार द्वीप में मुख्य सचिव हैं। **धर्मपाल :** तेजतर्रार अधिकारियों में इनकी गिनती होती रही है। वह दिल्ली सरकार में होम सेक्रेटरी थे। किसी बात को लेकर केजरीवाल और धर्मपाल के बीच भी टकराव के किस्से सुनाई देने लगे। अचानक एक दिन उनसे चार्ज लेकर राजेंद्र कुमार को दे दिया गया और वह पैदल कर दिए गए। उन्होंने भी अपना ट्रांसफर ले लिया। वह इस समय केंद्र सरकार में प्रमुख सचिव हैं।अश्वनी कुमार : दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी सचिव रहे। अश्वनी कुमार के पास विजिलेंस का भी चार्ज था। उनकी गिनती भी ईमानदार अफसरों में होती रही है। कुछ मामलों में वे पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन पर लगे आरोपों की जांच कर रहे थे। उन्हें एसेंबली कमेटी में बार-बार बुलाकर तंग किया जाता रहा है। मंत्री सत्येंद्र जैन और अश्वनी कुमार के बीच खींचतान रही। अंत में कुमार ने भी अपना ट्रांसफर ले लिया। वह इस समय मुख्य सचिव पुदुच्चेरी हैं।अमरनाथ : दिल्ली सरकार में हेल्थ सेक्रेटरी रहे। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन किसी फाइल पर दस्तखत करने के लिए दबाव बना रहे थे। उन्होंने सत्येंद्र जैन के आर्डर को रोक दिया था। लिहाजा उनके पास फाइल भेजना ही बंद कर दिया गया। अमरनाथ ने भी ट्रांसफर ले लिया। वह इस समय केंद्र सरकार में सचिव हैं। चंद्राकर भारती : दिल्ली सरकार में प्रमुख सचिव हेल्थ थे। चंद्राकर भारती सत्येंद्र जैन के बार-बार कहने के बावजूद किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। सरकार के दबाव में आकर उन्होंने भी ट्रांसफर ले लिया। वह इस समय केंद्र सरकार में सचिव हैं।

केशव चंद्रा : इनकी गिनती भी तेज तर्रार और ईमानदार अफसरों में होती रही है। वह दिल्ली सरकार में कई विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। वह जब जलबोर्ड के सीईओ थे तो सीवर में कर्मचारियों की मौत को लेकर एक इंजीनियर के खिलाफ जांच कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक केजरीवाल ने उस समय के जल मंत्री राजेंद्र पाल गौतम के जरिए केशव चंद्रा से जांच रूकवाने को कहा था लेकिन चंद्रा ने राजेंद्र पाल गौतम की बात नहीं मानी। केशव चंद्रा लंबी छुट्टी पर चले गए। इसी बीच केजरीवाल ने राजेन्द्रपाल गौतम से विभाग खुद ले लिया। केशव चंद्रा अब केंद्र सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद पर हैं।जयदेव सारंगी : पिछले वर्ष कक्षा 12वीं के परिणाम प्रकाशित होने के बाद दिल्ली सरकार ने जयदेव सारंगी से बड़ा विज्ञापन जारी करने कहा। सारंगी से शिक्षा सचिव से विज्ञापन के तयों को सत्यापित करने कहा लेकिन शिक्षा निदेशक ने विपरीत जानकारी दी। इस कारण विज्ञापन रूक गया व सारंगी को तुरंत हटाने की मांग उपराज्यपाल से की गई। उपमुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि मैं जीना हराम कर दूंगा। बहरहाल अभी सारंगी सूचना व प्रसार विभाग के निदेशक पद पर बने हुए हैं। डा एमएम कुट्टी : केन्द्रीय पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त सचिव थे व उन्हें दिल्ली सरकार का मुख्य सचिव बनाया गया। कुट्टी बेहद ईमानदार व तेज तर्रार अधिकारी माने जाते हैं। मुख्य सचिव बनने के बाद पहली औपचारिक मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। पहली औपचारिक मुलाकात में ही मुख्यमंत्री ने उन्हें खूब डांटा।

बैठक में प्रधान वित्त सचिव एस एन सहाय ने कुट्टी को तयों के आधार पर सही पाया। इसके बाद कुट्टी के कार्यकाल में अरविंद केजरीवाल की गैरकानूनी फाइलें रुकने लगी तो विधान सभा की कमेटी द्वारा कुट्टी को लगातार बुलाकर पूछताछ करने का सिलसिला शुरू हुआ। अभी कुटी केन्द्रीय वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं।

केके शर्मा : दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव पद पर एक वर्ष से ज्यादा समय तक आसीन थे। उनके कार्य व अधिकार क्षेत्र में भारी कटौती कर उनके कद को छोटा किया गया। विभागीय सचिव की बैठक मुख्य सचिव के स्थान पर मंत्री करने लगे। कैबिनेट नोट तैयार होने की सूचना तक उन्हें नहीं दी जाने लगी। अधिकारियों को फाइलें मुख्य सचिव को न भेजकर सीधे विभागीय मंत्री को भेजने का लिखित आदेश जारी हो गया। दिल्ली सरकार में कार्यकाल पूरा करने के बाद केके शर्मा केन्द्रीय मानव संसाधन विभाग के सचिव पद पर कार्यरत हैं।

आप विधायकों को अयोग्य करने की न्यायिक समीक्षा का चुनाव आयोग ने किया विरोध

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत के निर्वाचन आयोग ने बुधवार दिल्ली हाईकोर्ट में दावा किया कि लाभ का पद रखने पर आप के 20 विधायकों को अयोग्य ठहराने के राष्ट्रपति के आदेश की न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित होता है और अदालतें आमतौर पर ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करती हैं।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और चंद्र शेखर की पीठ को चुनाव आयोग की ओर से पेश अधिवक्ता अमित शर्मा ने सूचित किया कि ऐसे मामलों पर यदि ऊपरी अदालत अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करती भी हैं, यदि इसकी अनुमति होती है तो भी अदालतें आमतौर पर उनके गुणदोष को नहीं देखतीं। चुनाव आयोग अयोग्य घोषित किए गए विधायकों की दलीलों का जवाब दे रहा था। आप सरकार के 2015 में सत्ता में आने के बाद सरकार के मंत्रियों के संसदीय सचिवों के रूप में लाभ का पद रखने के दोषी पाए गए विधायकों को चुनाव आयोग की सिफारिश पर अयोग्य घोषित करने की राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने मंजूरी दी थी। अयोग्य घोषित किए जाने के आदेश को विधायकों ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। चुनाव आयोग की ओर से दलीलें बृहस्पतिवार को भी जारी रहेंगी।

उपराज्यपाल से मिले नेता विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ हुई बदसलूकी मामले में बुधवार को विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उप-राज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकात कर पूरा मामला उनके सामने रखा। नेता विपक्ष ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि अधिकांश आईएएस अधिकारी केजरीवाल के मंत्रिमंडल के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। गुप्ता ने साथ विधायक ओपी शर्मा, मनजिन्दर सिंह सिरसा एवं जगदीश प्रधान भी थे। नेता विपक्ष ने इस मामले में लिप्त सभी 11 विधायकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में केजरीवाल एवं उनके सहयोगियों के आरोपों का पर्दाफाश हो गया है। नेता विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह सरकार गुंडों के समूह की तरह काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केजरीवाल एवं उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अधिकारियों को धमकाकर ऐसा माहौल बना देते हैं कि अधिकारी डरकर उनकी मनमानी को स्वीकार कर लें और भाई-भतीजावाद चलता रहे।

अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो : माकन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य सचिव के साथ मारपीट की घटना पर विरोध जताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन ने बुधवार को उप-राज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। अजय माकन ने उप-राज्यपाल से आग्रह किया है कि अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये, जिससे अधिकारी सम्मान के साथ काम कर सकें। उप-राज्यपाल से मुलाकात में अजय माकन ने कहा कि मुख्य सचिव के साथ हाथापाई एक गंभीर घटना है और इस घटना में शामिल लोगों को बख्शा नही जाना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के जो भी विधायक इस घटना में शामिल थे, उनके बिरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जिससे भविष्य में अधिकारियों के साथ इस तरह की बदसलूकी की घटना की पुनरावृत्ति न हो और वह निष्पक्ष बगैर किसी राजनीतिक दवाब के काम कर सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार में काम काम जो लेकर टकराव होना स्वाभाविक है, लेकिन इस तरह के हालात पैदा नहीं होने चाहिए। शीला दीक्षित ने कहा कि सरकार चलाने के लिए प्रशासनिक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने अपने 15 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी भी उन्होंने रात्रि के 12 बजे मुख्य सचिव की बैठक नहीं बुलायी।

अगले छह महीनों में खुलेंगे नए 50 राजकीय आईटीआई: चेतन चौहान

लखनऊ (एजेंसी)। व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री चेतन चौहान ने कहा है कि अगले छह महीनों में 50 नए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) खुल जाएंगे। जिस तरह से निवेशकों ने प्रदेश में 4 लाख 28 हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके चलते प्रदेश में नए उद्योग लगेंगे। उन्हें बड़ी तादाद में दक्ष मानव श्रम की जरूरत होगी। ऐसे में आईटीआई की संख्या बढ़ाकर उन्हें ट्रेन्ड युवाओं को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे प्रदेश के युवाओं को उद्योगों में नौकरी मिलेगी। चौहान गुरुवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट-2018 के दूसरे दिन कौशल विकास- उत्तर प्रदेश के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र में बोल रहे थे। इस सत्र में केन्द्रीय कौशल विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान अपरिहार्य कारणों से नहीं आ पाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में 286 राजकीय और 2500 निजी आईटीआई हैं। इनसे प्रतिवर्ष करीब चार लाख युवा प्रशिक्षित होकर निकलते हैं। इनमें सवा लाख राजकीय आईटीआई से एक दर्जन कोर्सों में प्रशिक्षित होते हैं। ट्रेन्ड युवाओं को प्रशिक्षित करके नए लगने वाले उद्योगों में उन्हें नौकरी दिलाई जा सकती है। इसके लिए अगले छह महीनों में आईटीआई की तादाद 286 से बढ़कर 336 हो जाएगी। इन 50 नए आईटीआई के लिए 60 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। चौहान ने कहा कि निजी आईटीआई में फिटर और इलेक्ट्रीशियन के ही कोर्स होते हैं जबकि राजकीय आईटीआई में फिटर व इलेक्ट्रीशियन के अलावा ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइनिंग,

मैकेनिक, मशीन मैन समेत करीब एक दर्जन दो साल के कोर्स होते हैं। इसलिए राजकीय आईटीआई में प्रशिक्षित युवक का नौकरी पाने का बहुत स्कोप रहता है। मौजूदा समय में हमारे सरकारी आईटीआई ट्रेंड प्लेसमेंट की दर 60 फीसदी है। इस दर को बढ़ाकर 80 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। बाकी 20 फीसदी प्रशिक्षित होकर अपना खुद का रोजगार शुरू कर सकते हैं। इसी तरह कौशल विकास मिशन के तहत प्रदेश के 400 केन्द्रों पर भी प्रशिक्षण चल रहा है।

लखनऊ मेट्रो में ट्रेंड युवकों को नौकरी मिली

व्यवसायिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ मेट्रो के एमडी केशव कुमार ने उनसे हाथ से काम करने वाले ट्रेन्ड युवक मांगे हैं। आईटीआई में हाथ से काम करने वाले ही प्रशिक्षित युवक निकलते हैं। लखनऊ मेट्रो में बड़ी तादाद में आईटीआई ट्रेन्ड युवकों को नौकरी मिलेगी।

विदेशी भाषाएं सीखनी होंगी

इस सत्र में व्यवसायी कैप्टन शिवेन्द्र सिंह ने यह समस्या बताई कि आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं को भाषा की समस्या के कारण विदेशों में नौकरी नहीं मिल पाती है। नार्वे में ही 10 हजार नर्सों की जरूरत है लेकिन वहां की भाषा न जानने के कारण यहां की नर्सिंग कोर्स से प्रशिक्षित महिलाएं वहां नौकरी नहीं पा सकती हैं। इस समस्या से चेतन चौहान ने सहमति जताते हुए अपने मातहत अधिकारियों को इस समस्या का हल निकालने के निर्देश दिए। इसी तरह एम एस इन के निदेशक लवकेश कुमार सिंह ने सुझाव दिया कि पहले तो युवाओं के टैलेन्ट को जाना जाए, फिर उसी हिसाब से उनको प्रशिक्षित किया जाए। इसी तरह आसमा हुसैन ने ट्रेनिंग सेंटर के पार्टनर बनने की प्रक्रिया के बारे में जाना। इस मौके पर प्रमुख सचिव व्यवसायिक शिक्षा भुवनेश कुमार, टीमलीज सर्विसेज के मनीष सभरवाल, नेशनल स्किल डेवलपमेंट के अधिशासी निदेशक जयंत कृष्ण, लावा के चीफ मैन्यूफैक्चरिंग ऑफिसर संजीव अग्रवाल, सेन्टम वर्कस्किल इंडिया की बिजनेस हेड विनीता कुमार और आईएल एण्ड एफएस के एमडी आर सी एम रेड्डी ने भी अपने विचार रखे।

»» यूपी इन्वेस्टर्स समिट 2018 :

राष्ट्रपति बोले- यूपी में देश की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता

लखनऊ (एजेंसी)। दो दिवसीय उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट 2018 गुरुवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संबोधन के साथ संपन्न हो गया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति का मंच पर राज्यपाल राम नाईक और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई बड़े नेताओं ने स्वागत किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यूपी इन्वेस्टर्स समिट 2018 के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रयास से यूपी को एक मजबूत आधार मिला है। राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी के विकास से ही भारत के विकास को दिशा मिलेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश विशेष भौगोलिक स्थिति संपदा और नौजवानों के कारण और संभावनाओं के द्वार खोलता है। यूपी हमारे देश में संस्कृति और राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। देश के कई प्रधानमंत्री चुनकर यहीं से संसद में गए, जिन्होंने लगातार वर्षों तक देश का नेतृत्व किया है। संयोग से मेरा जन्म और व्यक्तित्व निर्माण भी उत्तर प्रदेश की पावन धरती पर ही हुआ है। उन्होंने कहा कि मॉरिशस का उत्तर प्रदेश के साथ आने का निर्णय उत्तर प्रदेश के साथ उनके देश के लिए भी लाभकारी होगा।

यूपी में देश के सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता

राष्ट्रपति ने कहा कि उद्यमियों ने उत्तर प्रदेश में पूंजी लगाने का जो उत्साह दिखाया है, उसके कई कारण हैं। इस प्रदेश में देश के सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है। कानून-व्यवस्था के मामले में भी राज्य सरकार ने दृढ़ता से परिचय दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बारे में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से विकास के बावत समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहता है। साथ ही सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश की आवश्यकता के अनुरूप वित्त मंत्री अरुण जेटली का भी मार्गदर्शन मिलता रहता है।

सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से धार्मिक आध्यात्मिक और औद्योगिक क्षेत्र रहा है। यह आयोजन अपने आपमें पहला और अद्भुत आयोजन है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यूपी को प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने कहा कि अभी हमारी सरकार को प्रदेश में कार्य करते हुए 11 महीने का समय हुआ है। हमारा रोडमैप क्या हो, हमारे विकास की योजनाएं क्या हों, जो कि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच सकें। इसके लिए जो कार्य योजना बनाने की तैयारी की तो किसानों, वंचितों, नौजवानों, महिलाओं को विकास की योजनाओं के साथ जोड़ने और इसका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति पहुंचाने की पहली कड़ी थी। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर वन डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट योजना पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 1045 एमओयू को सहमति

योगी ने बताया कि दो दिवसीय इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 1045 एमओयू को सहमति दी गई है। मैं निवेशकों को इस बात के लिए आवश्यक आश्वस्त करता हूं कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश के अंदर बेहतरीन है और साथ ही जिस सिंगल विंडो पोर्टल को कल पीएम ने लांच किया है यह देश का पहला पोर्टल है जिससे एक स्थान पर बैठकर हर निवेशक निवेश की सुविधा का लाभ पा सकता है।

यूपी में नया इतिहास लिखा जा रहा है : जेटली

वहीं, केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि उत्तर प्रदेश के एजेंडा को बदलने का इन्वेस्टर्स समिट बहुत बड़ा प्रयास है। सरकार बदलती है, मुख्यमंत्री बदलते हैं, लेकिन हर बदलाव से प्रांत की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आता है। यह आवश्यक नहीं है। जेटली ने कहा कि जब इतिहास लिखा जाता है तो हर नेतृत्व की पहचान इससे याद रहती है कि वह अपने पांव की छाप किस दिशा में छोड़ कर गया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार एक नया इतिहास लिखने का काम कर रही है। योगी यहां चर्चा के विषय बदल रहे हैं, सोच में परिवर्तन हुआ है, भाषा और शैली में भी परिवर्तन हुआ है। निवेशकों का सम्मेलन करने से किसी भी प्रांत या देश या समाज की आर्थिक स्थिति का पहला परिवर्तन आरंभ होता है। जब निवेशक यह तय करता है कि वह निवेश के लिए देश के किस प्रांत को चुने तो वैश्विकरण के इस युग में केवल यही च्वॉइस उसके मन में नहीं है। साथ ही विश्व के किस देश को चुने यह भी च्वॉइस उसको करनी है। इसलिए जब तक मैं अपने देश या अपने प्रांत को उस निवेशक के लिए आकर्षक नहीं बना सकता है तो निवेशक नहीं आएगा।

सच्चे मित्र हीरे की तरह कीमती और दुर्लभ होते हैं, झूठे दोस्त पतझड़ की पत्तियों की तरह हर जगह मिलते हैं -अरस्तू

''प्रयोगधर्मी'

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार और उसके विधायक फिर विवादों के घेरे में हैं। उन पर अपनी सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को धमकी देने और उनके साथ मारपीट के आरोप हैं। हालांकि इसे भी अन्य मामलों की भांति दिल्ली और केंद्र सरकारों के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। बहुधा लोग इसी नजरिये से आप और भाजपा के बीच तनाव को देखते रहे हैं। इनका मानना है कि ये सब और कुछ नहीं, दिल्ली की सत्ता में भाजपा के आने की बेसब्री है। इसका प्रतिफलन तरह-तरह के टकरावों में होता रहता है। हो सकता है, कुछ मामलों में ऐसा हो भी। यह अस्वाभाविक भी नहीं है। विपक्षी पार्टी होने का एक अर्थ अपने लिए सत्ता में आने का अवसर जुटाना भी है। लेकिन इसका हरेक मामले में तोहमत के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मौजूदा प्रकरण में बहुत झोल हैं। यह मीटिंग बुलाने के तरीके और उसकी टाइमिंग से ही जाहिर होता है। मुख्य सचिव को मीटिंग में आने के तकादों और आधी रात के समय से स्पष्ट हो जाता है कि आप के विधायक और सरकार कोई खास संकेत देने की तैयारी किये बैठे थे। यह तय अपनी जगह है कि परिस्थितियों की गंभीरता के मुताबिक कैबिनेट मीटिंग कभी भी बुलाई जा सकती है। पर आप की बैठक उस स्तरीय की भी नहीं थी और न राशन कार्ड की गड़बड़ियों का हल करने की वैसी आपात स्थिति थी। यह काम दिन में हो सकता था। लेकिन मुख्य सचिव की प्राथमिकी कहती है कि मसला राशन कार्ड का नहीं, तीन साल की उपलब्धियों का ढोल पीटने के लिए पैसे जारी न करने का था। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की नियमावली का उनके हवाला देने पर आप विधायक संतुलन खो बैठे और मुख्य सचिव के साथ ''मुक्केबाजी' की गई। वैसे यह बात ''प्रयोगधर्मी' सरकार की अतिशय विज्ञापनप्रियता मेंझलकती रही है, जो प्रतिबंधों के बीच भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आवाजों के उपयोग का उपाय निकालती रही है। दूसरे आप पर इस प्रकरण में अविास के लिए खुद उसका रिकार्ड जवाबदेह है। मनचाहे काम करवाने के लिए वह अपने संख्याबल के असंवैधानिक इस्तेमाल पर ज्यादा भरोसा करती है। उसको सोचना चाहिए कि नौकरशाह उसे उचित सलाह देने के लिए हैं। उनके साथ बेहतर बर्ताव उसकी लोकतांत्रिक कार्यशैली का निदर्शन होना चाहिए, जो नहीं हुआ है।

चीनी युद्धपोतों

मालदीव में जारी राजनीतिक संकट के बीच चीन के एक समाचार पोर्टल ने पूर्वी हिन्द महासागर में चीनी युद्धपोतों की खबर के जरिये इस पूरे क्षेत्र में सनसनी पैदा कर दी है। अगर इस खबर में आंशिक तौर पर भी सच्चाई है, तो यह भारतीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा का सबब हो सकती है। हालांकि भारत सरकार ने इस खबर का खंडन करते हुए साफ तौर पर कहा है कि मालदीव के निकट कोई चीनी युद्धपोत नहीं है। उधर एक ऑस्ट्रेलियाई न्यूज वेबसाइट ने भी हिन्द महासागर में चीनी युद्धपोतों की तैनाती का हवाला देते हुए कहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को मालदीव से दूर रखना इसका मकसद है। चीनी युद्धपोतों की तैनाती की खबर में सच्चाई हो या न हो लेकिन इस बात में पूरी सच्चाईहै कि चीन मालदीव में जरूरत से ज्यादा सक्रिय है और इस क्षेत्रमें अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। मालदीव के राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन चीन समर्थक माने जाते हैं और उनकी सरकार ने चीन को तमाम तरह की रियायतें दे रखी हैं। यह भी अकारण नहीं है कि कोलंबो में निर्वासित जीवन बिता रहे पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने जब मालदीव में राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए भारत से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था, तब चीन ने मालदीव में बाहरी शक्तियों को हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी थी। जाहिर है कि उसका इशारा भारत की ओर था। ताज्जुब नहीं होना चाहिए कि राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन चीन के इशारे पर ही भारत को मुंह चिढ़ाने वाली कार्रवाई कर रहे हैं। आपातकाल की अवधि को एक माह के लिए बढ़ाने की कार्रवाईको इससे अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने भारतीय अपेक्षाओं को दरकिनार करते हुए ही आपातकाल की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है। यकीनन यह भारत को उकसाने वाली कार्रवाईहै और इससे दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ सकते हैं। नई दिल्ली को उम्मीद थी कि मालदीव की सरकार आपातकाल को आगे नहीं बढ़ाएगी। गौरतलब है कि पिछली 5 फरवरी को 15 दिनों के लिए आपातकाल थोपा गया था। हालांकि पूरे मसले पर भारत संयम बरत कर आगे बढ़ रहा है, और मालदीव में लोकतंत्र और कानून के शासन की वापसी के अपने पुराने रुख को ही दोहरा रहा है। मालदीव की ओर से भारत को उकसाने वाली कोई भी कार्रवाई उसके लिए महंगी साबित हो सकती है।

सत्संग

प्राण

शरीर और प्राण मिलकर जीवन बनता है। इन दोनों में से एक भी विलय हो जाए, तो जीवन का अंत ही समझना चाहिए। गाड़ी के दो पहिए ही मिलकर संतुलन बनाते और उसे गति देते हैं। इनमें से एक को भी अस्त-व्यस्त नहीं होना चाहिए। अन्यथा प्राण को भूत-प्रेत की तरह अदृश्य रूप से आकाश में, लोक-लोकान्तरों में परिभ्रमण करना पड़ेगा। शरीर की कोई अन्त्येष्टि न करेगा तो वह स्वयं ही सड़-गल जाएगा। आत्मा को उसी के साथ गुंथा रहना पड़ता है। इसका प्रतिफल यह होता है कि आत्मा अपने आपको शरीर ही समझने लगती है और इसकी आवश्यकताओं से लेकर इच्छाओं तक को पूरा करने के लिए जुड़ी रहती है। दूसरा पक्ष चेतना का, आत्मा का रह जाता है। उसके प्रत्यक्ष न होने के कारण प्राय: ध्यान ही नहीं जाता। फलत: ऐसा कुछ सोचते-करते नहीं बन पड़ता, जो आत्मा की समर्थता एवं प्रखरता के निमित्त आवश्यक है। यह पक्ष उपेक्षित बना रहने पर अर्धांग, पक्षाघात पीड़ित जैसी स्थिति बन जाती है। जीवन का स्वरूप और चिंतन कर्तृत्व सभी में उद्देश्यहीनता घुस पड़ती है। जीवन प्रवाह कीट पतंगों जैसा, पशु पक्षियों जैसा बन जाता है। उसमें पेट प्रजनन की ही ललक छाई रहती है। जो कुछ बन पड़ता है, वह शरीर के निमित्त ही काम आता है। लोभ, मोह और प्रशंसा, अहंता की ललक ही छाई रहती है। इन्हीं ललक लिप्साओं को भव बंधन कहते हैं। इसी से जकड़ा हुआ प्राणी हथकड़ी-बेड़ी, तौक पहने हुए बंदी की तरह जेल खाने की सीमित परिधि में मौत के दिन पूरे करता रहता है। ऐसी दशा में आत्मा के संबंध में कुछ विचार करते ही नहीं बन पड़ता। उपेक्षित की पुकार कौन सुने? जिसे उसकी आवश्यकताओं से, पोषण से वंचित रखा गया हो, वह दुर्बल तो होगा ही। अशक्तता की स्थिति में उसकी वाणी भी क्षीण हो जाएगी। कड़क कर अपनी आवश्यकता बताने और शिकायत सुनाने की स्थिति भी न रहेगी। फलत: आत्मा की सत्ता होते हुए भी उसके वर्चस्व का निखरना संभव होगा। शरीर के निमित्त ही अंग अवयवों की ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेन्द्रियों की विविध विधि हलचलें होती रहेंगी। ऐसी दशा में यदि जीवनचर्या पर संकीर्ण स्वार्थपरता ही छाई रहे और उसकी पूर्ति के लिए सुविधा, सम्पदा बढ़ाने, उसका उचित-अनुचित उपभोग करने की, नशेबाजी जैसी खुमारी चढ़ी रहे तो जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

महत्वपूर्ण समझौतों

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, अतएव आगामी महीनों में व्यापार घाटा और बढ़ेगा। ऐसे में देश का निर्यात और विदेशी कारोबार बढ़ाने के लिए पश्चिमी और पूर्व एशिया से अच्छी उम्मीदें दिखाई दे रही हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन पश्चिमी एशियाई देशों अमन, संयुक्त अरब अमीरात तथा फिलस्तीन की यात्रा के दौरान कूटनीतिक रिश्तों के साथ-साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने का एक नया संतुलन दिखाई दिया है। अबू धामी की नेशनल ऑयल कंपनी के ऑयल फील्ड में भारत की तेल कंपनियों द्वारा ली गई दस फीसदी की हिस्सेदारी को विशेष रूप से विश्व के अर्थ विशेषज्ञ रेखांकित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सतीश पेडणोकर

इस समय जब देश से निर्यात घट रहे हैं, और देश का व्यापार घाटा बढ़ रहा है। ऐसे में पश्चिम और पूर्व एशिया के लिए निर्यात और बढ़ने का नया लाभप्रद परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी विदेश व्यापार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार देश से निर्यात में कमी आई है, और व्यापार घाटा पिछले पांच वर्ष के उच्चतम स्तर पर है। चालू वित्त वर्ष 2017-18 के पहले 10 महीनों में भारत के निर्यात 248 अरब डॉलर और आयात 379 अरब डॉलर के रहे यानी व्यापार घाटा 131 अरब डॉलर रहा जबकि पिछले वित्त वर्ष 2016-17 में इसी समयावधि में निर्यात 265 अरब डॉलर और आयात 380 अरब डॉलर के रहे थे। यानी व्यापार घाटा 115 अरब डॉलर रहा था। चूंकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, अतएव आगामी महीनों में व्यापार घाटा और बढ़ेगा। ऐसे में देश का निर्यात और विदेशी कारोबार बढ़ाने के लिए पश्चिमी और पूर्व एशिया से अच्छी उम्मीदें दिखाई दे रही हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन पश्चिमी एशियाई देशों अमन, संयुक्त अरब अमीरात तथा फि लस्तीन की यात्रा के दौरान कूटनीतिक रिश्तों के साथ-साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने का एक नया संतुलन दिखाई दिया है। अबू धामी की नेशनल ऑयल कंपनी के ऑयल फील्ड में भारत की तेल कंपनियों द्वारा ली गई दस फ ीसदी की हिस्सेदारी को विशेष रूप से विश्व के अर्थ विशेषज्ञ रेखांकित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मध्य-पूर्व में किसी तेल कंपनी में यह भारत की पहली हिस्सेदारी है। इससे भारत के कच्चे तेल के आयात खर्च में कमी आएगी। पूर्वी एशिया में समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी के कारण कई पूर्वी एशियाई देशों का चीन से विवाद बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका ने 12 फरवरी को घोषित अपने नये बजट में बढ़ाए गए रक्षा बजट के कारणों में इस मुद्दे को भी रेखांकित किया है। ऐसे में भारत के लिए पूर्वी एशियाई देशों में कूटनीति और कारोबार बढ़ाने का नया परिदृश्य उभरा है। गौरतलब है कि भारत और यूएई ने ऊर्जा, रेलवे, श्रमशक्ति और वित्तीय सेवा जैसे क्षेत्रों में पांच अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों के तहत रेलवे में संयुक्त योजनाएं और तकनीक का लेन देन प्रमुख हैं। द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देने के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और अबूधाबी सुरक्षा विनिमय के बीच समझौता हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय सेवाओं में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत और यूएई अपने आर्थिक और व्यावसायिक रिश्तों खासकर नागरिक उड्डयन, जलवायु और ऊर्जा के क्षेत्रों में और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से अमन, पूर्वी अफ्रीका के उभरते बाजारों तक पहुंच बनाने में भारत के लिए यह मददगार साबित होगा, जो अभी चीन के व्यापार व निर्यात के लिए कुछ ज्यादा ही दिलचस्पी का सबब बने हुए हैं। भारत व अमन के बीच रक्षा, स्वास्य और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग सहित आठ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। आर्थिक सहयोग के करार संयुक्त अरब अमीरात और फिलस्तीन के साथ भी हुए हैं। फिलस्तीन के साथ छह समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। निश्चित रूप से इन सबसे पश्चिम एशिया में भारत को कारोबार बढ़ाने और निर्यात के नये अवसर बढ़ेंगे। इतना ही नहीं, पश्चिम एशिया में भारत और इस्त्राइल बेहद करीब आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इस्त्राइल यात्रा इस मामले में मील का पत्थर ही कही जा सकती है। जहां हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद भारत ने पश्चिमी एशिया के साथ कारोबार व निर्यात बढ़ाने के नये अध्याय की शुरुआत की है, वहीं पिछली जनवरी में पूर्वी एशिया के साथ कारोबार एवं निर्यात बढ़ाने का जोरदार प्रयास हुआ है। 25 व 26 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी के साथ दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंसन (आसियान) के 10 देशों इंडोनेशिया, फिलीपीन्स, सिंगापुर, मलयेशिया, ब्रुनेई, थाइलैंड, म्यांमार, लाओस, वियतनाम और कंबोडिया के राष्ट्र प्रमुखों की विभिन्न बैठकों के बाद कारोबार, परिवहन, समुद्री सुरक्षा एवं सांस्कृतिक सहयोग के मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी है। गौरतलब है कि आसियान देशों के साथ वार्ता में यह बात उभर कर सामने आई कि आसियान के कुछ देशों का पूर्वी व दक्षिण चीन समुद्र क्षेत्र को लेकर चीन से विवाद है, वहीं भारत का भी अपने उत्तर स्थित पड़ोसी देश के साथ जमीन को लेकर विवाद है। ऐसे में भारत और आसियान के 10 देश समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए नई रणनीति बनाने पर सहमत हुए हैं। इस कूटनीतिक आधार पर भी भारत के साथ

पूर्वी एशियाई देशों के कारोबारी संबंधों और मजबूत बनाने की संभावनाएं बढ़ी हैं। निस्संदेह विश्व व्यापार में आसियान समूह के सबसे ज्यादा गतिशील होने के कारण इस समय भारत दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के साथ लगातार व्यापारिक एवं सामाजिक संबंध बढ़ाने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। आसियान देशों में भारतीय प्रफेशनल्स के लिए कामकाज के विस्तार की काफी गुंजाइश बढ़ी है। अंग्रेजी बोलने वाले भारतीय आईटी प्रफेशनलों को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के बाजार में संभावनाओं का बड़ा बाजार हासिल हुआ है। न केवल सॉफ्टवेयर या सेवा क्षेत्र बल्कि कई अन्य आर्थिक क्षेत्रों में भारत ने विश्व की उभरती हुई आर्थिक शक्ति के तौर पर पहचान बनाई है। भारत के पास कुशल पेशेवरों की फौज है। आईटी, सॉफ्टवेयर, बीपीओ, फ ार्मास्युटिकल्स, केमिकल्स एवं धातु क्षेत्र में दुनिया की जानी-मानी कंपनियां हैं, आर्थिक व वित्तीय क्षेत्र की शानदार संस्थाएं हैं। इनके लिए आसियान देशों में कारोबार की अच्छी संभावनाएं हैं। चूंकि चीन पश्चिमी और पूर्वी एशियाई बाजारों में कारोबार के लिए बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की हाल ही की पश्चिम एशियाई देशों की यात्रा और आसियान देशों के साथ नये मैत्रीपूर्ण संबंधों से पश्चिम और पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत को कारोबार व निर्यात बढ़ाने का एक लाभ प्रद मौका मिला है। ऐसे में हम आशा करें कि अब भारत पश्चिमी एवं पूर्वी एशियाई देशों में अपनी चमकीली व्यापार एवं निर्यात संभावनाओं को साकार करने की डगर पर तेजी आगे बढ़ेगा।

चलते चलते

किच-किच थोड़े ही मचती

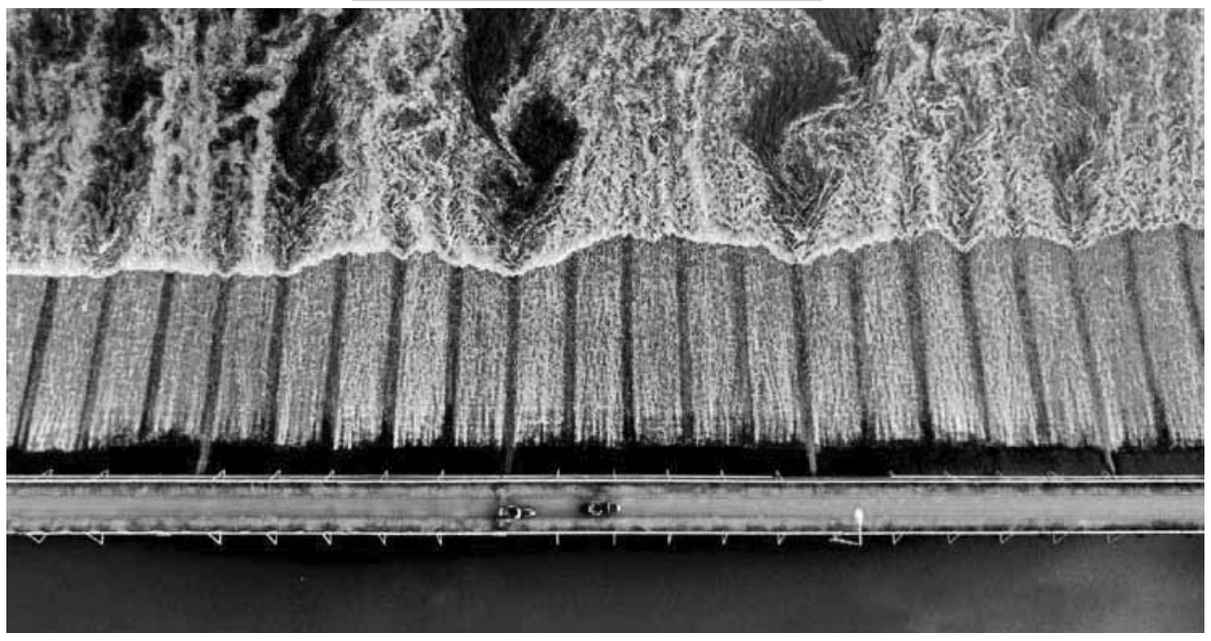

सरकार ने कहा जी हम तो ही इतना देते हैं बस। रेट यही है। और इस बात की कोई गारंटी नहीं कि पीड़िता तक पंहुचते-पंहुचते यह रकम घटेगी नहीं। अब अदालत की नाराजगी तो जी सिर मत्थे। लगता है अदालत को सिर-मत्थे जनता ही रखती है। सरकार तो रखती नहीं। रखती तो आधार पर ऐसी किच-किच थोड़े ही मचती। बल्कि जनता ने तो अदालत की पीड़ा

अदालत ने नाराज हो कर एक सरकार को बुरी तरह डपट दिया-आपने क्या रेप पीड़िता की इज्जत की कीमत साढ़े छह हजार रुपये लगाई है! सरकार ने कहा जी हम तो ही इतना देते हैं बस। रेट यही है। और इस बात की कोई गारंटी नहीं कि पीड़िता तक पंहुचते-पंहुचते यह रकम घटेगी नहीं। अब अदालत की नाराजगी तो जी सिर मत्थे। लगता है अदालत को सिर-मत्थे जनता ही रखती है। सरकार तो रखती नहीं। रखती तो आधार पर ऐसी किच-किच थोड़े ही मचती। बल्कि जनता ने तो अदालत की उस पीड़ा को भी दिल से ही समझा था और उसे उतनी गंभीरता से लिया था, जितने की वह हकदार थी कि लोकतंत्र खतरे में है। अब सरकार का पता नहीं जी, कि उसने उसे कितनी गंभीरता से लिया। बहरहाल, किसान की जान की कीमत तो सरकार ने अब तक कुछ रखी ही नहीं। मुफ्त में जान देना किसान को भी इतना रास आ रहा है कि वह आत्महत्या करना छोड़ता ही नहीं। जान की बात तो छोड़ो साहब, प्राकृतिक आपदा में जब उसकी फसल नष्ट हो जाती है तो मुआवजे के तौर पर दो-चार रुपये का चेक पकड़ा दिया जाता है। इधर बिहार में एक शहीद के परिवार ने अपने अजीज की शहादत के लिए पांच लाख रुपये की मदद लेने से इनकार कर दिया। बोले-हमारा बेटा शहीद हुआ है, कोई शराब पीकर नहीं मरा। इतना मुआवजा तो शराब पीकर मरनेवालों को मिल जाता है। वैसे अगर फौजी पेंशन के झंझट से दुखी होकर आत्महत्या कर ले और केजरीवाल जैसा कोई उसके लिए मुआवजे की घोषणा कर दे तो उसी पर हंगामा हो जाता है। कोर्ट-कचहरी हो जाता है। अब जी, रेट तो जब नौकरियों के बंधे हैं तो मुआवजे के भी बंधे ही होंगे। ह्यालांकि लू या ठंड से मरनेवाले का कोई रेट नहीं है। पुलिस की गोली से कोई किसान मर जाए तो उसका भी नहीं। वैसे हां, अपने देश में बैंक घोटालों का रेट भी तय हो गया है-कम-से-कम नौ हजार करोड़ का घोटाला तो करना ही पड़ेगा, ऊपर आप तीस हजार करोड़ तक ले जा सकते हैं, जैसा कि पी एन बी घोटाले के बारे में कांग्रेसी आांका जता रहे हैं। पर जी, इज्जत का भी कोई रेट होता है क्या। अदालत की बात सिर-मत्थे।

फोटोग्राफी...

यूके की मैग्ज़ीन 'आउटडोर फोटोग्राफी' ने वर्ष 2017 की की प्रतियोगिता के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इसमें यूके के टॉम स्वीटमैन को इस फोटो के लिए 'ए व्यू फ्रॉम अबोव' के लिए श्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया जाएगा । टॉम ने यह फोटो थाईलैंड यात्रा के दौरान तब क्लिक किया था, जब वे चियांग मइ क्षेत्र में पिंग नदी के पुल से गुजर रहे थे। उन्होंने यह दृश्य देखकर अपना स्कूटर रोका। उन्हें पता चला कि यह पुल दो गांवों को जोड़ता है और केवल दो पहिया वाहन ही यहां से निकल सकते हैं। इसके पहले उन्होंने पुलों की संरचना दिखाने वाले कई फोटोग्राफ ड्रोन से क्लिक किए थे, लेकिन नदी में एक तरफ बहती धाराएं दिखाने वाला फोटो कभी क्लिक नहीं कियाथा। आखिरकार उन्होंने यह फोटो क्लिक किया और प्रतियोगिता में भेज दिया। हाल ही में उनके नाम की घोषणा की गई है। आउटडोर फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा में उन सभी को शामिल किया गया, जो फोटोग्राफ को लेकर बहुत उत्सा ही होते हैं। जो लैन्डस्केप, वा इल्डला इफ्नेचर और एडवेंचर के अद्भुत दृश्य क्लिक करना जानते हैं। नवंबर को अंतिम प्रविष्टि आमंत्रित की गई थी, उसके तकरीबन दो माह बाद पुरस्का र घोषित किए गए। opoty.co.uk

सातवें वेतन

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद एवं ड्राफ्ट रेगुलेशन के जारी होने के बाद, पिछले कुछ दिनों से देशभर के शिक्षक संगठन लगातार सरकार की उच्च शिक्षा नीति को लेकर आंदोलनरत हैं, जिसमें सर्विस कंडीशन, वेतन-भत्ते, स्थाई नियुक्ति के साथ-साथ शत-प्रतिशत सरकारी अनुदान जैसे कई मांगों को लेकर शिक्षक संसद मार्ग पहुंच रहे हैं। शिक्षकों का सड़क पर उतरना केवल वेतन भत्ते और आर्थिक लाभ से जोड़कर नहीं देखा जा सकता, बल्कि आज आवश्यकता है इसके सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पक्षों को समझने के साथ-साथ समाज के बदलाव में शिक्षक आंदोलन की भूमिका को समझना। तभी हम एक समग्र एवं समावेशी शिक्षा नीति को सुदृढ़ कर सकते हैं। शिक्षकों की यह लड़ाई सिर्फ वेतन और सुविधाओं को बढ़ाने या अधिक लाभ पाने की नहीं है। विविद्यालय, उसका शासन और उद्देश्य किसी भी सरकारी मंत्रालय, करखाना या जिला न्यायालय से बिल्कुल भिन्न है। विविद्यालय के पास एक कठिन एवं दोहरी भूमिका है। पहला, सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के लिए उपयुक्त और कुशल मानव संसाधन मुहैया कराना और दूसरा, अपनी शिक्षा से सामाजिक और मानवीय मूल्यों का निर्माण करना जो समाज को एकता एवं भाईचारा के सूत्र में बांधकर रखते हैं। जहां बाकी संगठनों का दायित्व काफी यांत्रिक एवं प्राकृतिक से उपकरणीय (इंस्ट्रूमेंटल) है, वहीं शैक्षिक संस्थानों की भूमिका इंस्ट्रूमेंटल होने के साथ-साथ मानकीय (नोर्मेटिव) भी है। शायद सरकार और समाज द्वारा विविद्यालय के इन्हीं प्रमुख दायित्वों के निर्वहन के खातिर, इन संस्थाओं को स्वायत्तता प्रदान की गई होगी और बिना सरकारी हस्तक्षेप पर चलाने की बात रही होगी। शिक्षाविदों का मानना है कि विविद्यालयों का समाज में हमेशा से एक सामरिक स्थान (स्ट्रैटिजक पोजीशन) रहा है जो समय और सरकारों के बदलाव के कारण मिसप्लेस हो गया है। सरकार का मानना है कि बाकी सरकारी कर्मचारियों की भांति शिक्षकों को भी बढ़ा हुआ वेतन दिया जा चुका है इसलिए असंतोष बेवजह है; भले संस्थाएं वर्षो से तदर्थ शिक्षकों के सहारे ही क्यों न चलें, बरसों से नियुक्ति का मसला रुका ही रहे, देश के शिक्षकों की पदोन्नति थमी रहे, और तीस प्रतिशत संसाधन सरकारी शिक्षा संस्थाओं को खुद जुटाने का फरमान ही क्यों न दिया जाए?

सरकारी अनुदान प्राप्त उच्च शिक्षा के विनाशकारी बदलाव की इस घड़ी में शिक्षकों पर एक बड़ा दायित्व है, जो कक्षाओं के बाहर समाज में नागरिकों के बीच जाकर बेहतर समाज के लिए समावेशी शिक्षा व्यवस्था की पुरजोर वकालत करने की जरूरत पर बल दे रहे हैं। यूजीसी द्वारा पारित श्रेणीकृत स्वायत्तता का एक हालिया फरमान शिक्षा संस्थाओं में स्वायत्तता के नाम पर श्रेणीबद्ध तरीके से एक असमानता भी लाएगा, जो प्रतियोगिता और मेरिट के नाम पर शिक्षा में गुणवत्ता में सुधार कम और निजीकरण को ज्यादा बढ़ावा देगा। शिक्षा व्यवस्था का नौकरशाहीकरण इस कदर हो रहा है कि आज राज्य का कनीय नौकरशाह भी कुलपतियों को उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही की धमकी देते नहीं घबराता। कुछ कुलपति भी अपने किलेबंद दफ्तर से विविद्यालय चलाते हैं और छात्रों को सुनने और समझने का साहस नहीं। अगर शिक्षकों में भरोसा को नजरअंदाज करते हुए, समाज में शिक्षा व्यवस्था के साझेदार सजग नहीं हुए तो केंद्रीय विविद्यालयों का भी वही हश्र होगा, जिसने राज्य विश्वविद्यालों में शैक्षणिक प्रक्रिया को चौपट किया। वक्त आ गया है, शिक्षा की सामाजिक संसाधन और सामूहिक संपत्ति मानते हुए हम सब जनविरोधी और निजीकृत उच्च शिक्षा नीति का विरोध करें।

रूसी कर्लर की डोपिंग सुनवाई स्थगित : सीएएस

प्योंगचोंग। खेल पंचाट (सीएएस) ने रूसी ओलंपिक कर्लर के डोपिंग मामले से जुड़ी सुनवाई स्थगित कर दी है। यह फैसला इस खिलाड़ी के सुनवाई में उपस्थित होने से इन्कार करने के कुछ घंटों बाद किया गया। सीएएस ने अपने बयान में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और विश्व कर्लिंग महासंघ बनाम अलेक्सांद क्रूशेलनितवस्की मामले में सभी पक्षों ने खेल पंचाट के डोपिंगरोधी विभाग से आज सुनवाई स्थगित करने के लिये कहा।' सीएएस ने कहा कि इस मामले में फैसला अब बाद में लिखित प्रस्तुति के आधार पर दिया जाएगा। प्योंगचांग शीतकालीन ओलंपिक खेलों में मिश्रित युगल कर्लिंग में कांस्य पदक विजेता क्रूशेलनितवस्की ने रूसी मीडिया से कहा, 'मैं (पंचाट के) उचित फैसले के लिये तैयार हूं जो कि ऐसे मामलों में उम्मीद के अनुसार एक समान होते हैं। इसलिए तमाम पहलुओं पर गौर करने के बाद मैंने सीएएस सुनवाई से हटने का निर्णय किया।' क्रूशेलनितवस्की के मूत्र के 'ए' और 'बी' नमूनों में प्रतिबंधित मेलडोनियम पाया गया था। यह वही ड्रग है जिसके कारण रूसी टेनिस स्टार मारिया शारापोवा को 15 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था।

विकास, अमित अगले दौर में जबकि शिव और मनोज बाहर

सोफिया (बुल्गारिया)। विकास कृष्ण और अमित फंगल ने 69वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व और एशियाई खेलों के पदकधारी विकास (75 किग्रा) हाथ की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं, उन्होंने मोरक्को के आमेर ग्निफिड को हराकर अंतिम आठ चरण में जगह सुनिश्चित की। विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनलिस्ट और पिछले महीने इंडिया ओपन के स्वर्ण पदकधारी अमित (49 किग्रा) ने मौरिशस के शार्विन कुमार को हराकर अंतिम 16 चरण की बाउट जीती। मनीष पंवार (81 किग्रा) ने भी मोरक्को के मोहम्मद अमीन को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।।हालांकि अनुभवी मुक्केबाज और राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदकधारी मनोज कुमार (69 किग्रा) और विश्व व एशियाई पदकधारी शिव थापा (60 किग्रा) टूर्नामेंट में शुरू में ही बाहर हो गये। मनोज को मोरक्को के अब्देलकबीर बेलासेक से प्री क्वार्टरफाइनल बाउट में मात मिली। बुधवार शाम के सत्र में शिव करीबी मुकाबले में कजाखस्तान के एडिलेट कुर्मातोव से हार गये। भारत ने अभी तक महिला मुक्केबाजों सीमा पूनिया (81 किग्रा से अधिक), स्वीटी बूरा (75 किग्रा), मीना कुमारी देवी (54 किग्रा) और भाग्यवती कचारी (81 किग्रा) की बदौलत चार पदक पक्के कर लिये हैं। स्वीटी और मीना ने क्वार्टरफाइनल बाउट जीतीं जबकि सीमा और भाग्यवती को बाई मिली।

गुरुसाईदत्त, सौरभ और समीर स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (स्विट्जरलैंड)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ियों आरएमवी गुरुसाईदत्त, सौरभ वर्मा और समीर वर्मा ने अपने अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर स्विस ओपन विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट दूसरे दौर में जगह बनाई। टखने के आपरेशन के बाद वापसी कर रहे राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता गुरूसाईदत्त ने ब्राजील के यगोर कोएल्हो को सीधे गेम में 21-16 21-11 से हराया। सौरभ ने इसके बाद इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 21-11 21-18 से शिकस्त दी जबकि उनके छोटे भाई समीर ने फ्रांस के थामस रोक्सेल को पुरुष एकल के पहले दौर के मुकाबले में 22-20 21-10 से हराया। समीर अगले दौर में जापान के यु इगाराशी से भिड़ेंगे जबकि आल इंडियन मुकाबले में सौरभ की भिड़ंत गुरूसाईदत्त से होगी। साई उत्तेजिता राव चुक्का ने महिला एकल के कड़े मुकाबले में जर्मनी की यवोनी ली को 25-23 21-16 से हराया। अभिषेक येलेगर, श्री कृष्णा प्रिया कुदरावल्ली, रिया मुखर्जी और वैष्णवी रेड्डी जक्का पहले दौर की बाधा पार करने में विफल रहे।

ये भारतीय महिला क्रिकेटर अब बनेगी डीएसपी

चंडीगढ़। भारतीय महिला ट्वेंटी-20 क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एक मार्च को पंजाब पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर तैनात होंगी। यह तभी संभव हो सका जब भारतीय रेलवे ने हरमनप्रीत को उनके पद से मुक्त कर दिया, क्योंकि यह खिलाड़ी पंजाब पुलिस से जुडना चाहती थी। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी इस मामले को रेलवे मंत्रालय के समक्ष उठाया था और हरमनप्रीत को पदमुक्त करने के लिए उनकी बांड शर्तों में ढील की बात कही थी ताकि वह पंजाब में डीएसपी पद से जुड़ सकें। हरमनप्रीत मोगा निवासी हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि रेलवे ने सरकार को अमरिंदर के अनुरोध को स्वीकार करने की सूचना पत्र के जरिए भेज दी है। भारतीय रेलवे से जुडने संबंधित बांड के अनुसार यह क्रिकेटर उनके साथ पांच साल का अनुबंध पूरा करने से पहले पदमुक्त नहीं हो सकती थीं। इसके हिसाब से अगर वह ऐसा करना चाहती तो उन्हें पांच साल का वेतन लौटाना पड़ता। हरमनप्रीत पश्चिम रेलवे में कार्यालय अधीक्षक के तौर पर तीन साल पूरे कर चुकी थीं। उन्होंने पिछले साल रेलवे से इस्तीफा दे दिया था। पंजाब पुलिस के साथ डीएसपी पद के लिए उनका मेडिकल परीक्षण पहले ही पूरा हो गया था, लेकिन भारतीय रेलवे ने उन्हें पदमुक्त नहीं किया था जिससे वह पंजाब पुलिस से नहीं जुड़ सकीं।

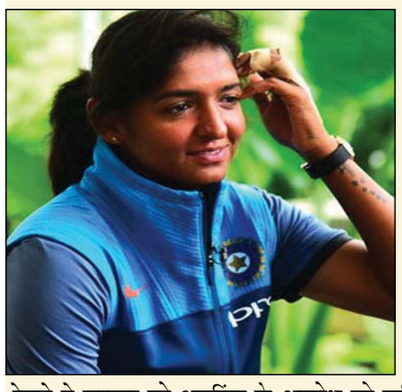

मुख्यमंत्री ने भारतीय रेलवे के इस कदम पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राज्य को गर्व है कि हरमनप्रीत अब इसके पुलिस बल का हिस्सा होंगी। अमरिंदर ने केंद्रीय रेलवे मंत्री पीयूष गोयल का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने महिला विश्व कप 2017 में शानदार प्रदर्शन के बाद पिछले साल जुलाई में हरमनप्रीत को डीएसपी पद की पेशकश की थी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका : चहल को 6 छक्के जड़ने वाले क्लासेन ने कहा-मुझे उसकी गेंदबाजी पसंद है

सेंचुरियन (एजेंसी)।

युजवेंद्र चहल की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा कि भले ही उनके अन्य साथी इस लेग स्पिनर को पढ़ने में नाकाम रहे हों लेकिन उन्हें उनका सामना करना काफी पसंद है। क्लासेन ने दूसरे टी-20 में 30 गेंदों पर 69 रन बनाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में छह विकेट से जीत दर्ज की।

वांडरर्स की तरह क्लासेन ने चहल के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाये। पारी के 13वें ओवर में उन्होंने इस लेग स्पिनर पर 23 रन बटोरे। चहल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के खिलाफ काफी सफल रही लेकिन क्लासेन ने उन्हें आसानी से खेला। चहल ने चार ओवर में 64 रन दिये और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। छब्बीस वर्षीय क्लासेन ने कहा कि उन्हें लेग स्पिनर के खिलाफ खेलना पसंद है।

उन्होंने चहल के बारे में कहा, 'मुझे उसका (चहल) सामना करना काफी पसंद है। विशेषकर जब मैं एमेच्योर क्रिकेट में था तब दो उपयोगी लेग स्पिनर हुआ करते थे। मैंने टाइटन्स (क्लासेन की घरेलू टीम) की तरफ से शान वान बर्ग का भी काफी सामना किया। क्लासेन ने कहा, 'हम हमेशा मजाक करते थे कि मुझे अन्य लेग स्पिनर का करियर बर्बाद करना चाहिए ताकि वह आगे बढ़ सके। कई बार ऐसा हो जाता था। आप जहां शाट मारना चाहते हो वहां गेंद को हिट करके अच्छा लगता है। कल रात ऐसा हुआ।

क्लासेन ने कहा कि चहल पर आक्रमण करना रणनीति का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा, 'यह रणनीति का हिस्सा नहीं था। लेकिन जिस तरह से उनके तेज गेंदबाजों ने गेंदबाजी की तो मैंने लेग स्पिनर के खिलाफ अपने मौके बनाये क्योंकि उसके खिलाफ मेरे पास अधिक विकल्प थे।

डुमिनी ने मुझे प्रेरित किया

क्लासेन ने कहा, 'मेरी पारी में डुमिनी की भूमिका अहम रही। मैंने जो पहला या दूसरा ओवर खेला तो उसने मुझसे कहा कि इस ओवर में दस रन बनने चाहिए। उसने कहा कि अपनी नैसर्गिक क्रिकेट खेलूं और गेंदबाजों पर हावी होकर बल्लेबाजी करूं। सौभाग्य से आज यह रणनीति चल गयी।

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से जेपी ने मुझसे कहा कि इस ओवर में 20 रन बनने चाहिए, उससे मेरे अंदर का डर बाहर निकल गया। इसके अलावा चित शांत रखना भी जरूरी था। एक समय ऐसा था जब मैं अच्छे शाट लगा रहा था। क्लासेन

ने कहा, 'वे (भारतीय गेंदबाज) काफी कुशल गेंदबाज हैं और इसलिए उनकी हर गेंद पर रन बनाना आसान नहीं था।

क्लासेन को क्विंटन डिकाक के चोटिल होने के कारण टीम में जगह मिली और उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। वह अभी हालांकि डिकाक की जगह लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वह विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और हमारी टीम को विशेषकर शीर्ष क्रम में उसकी कमी खल रही है। मुझे नहीं लगता कि उसे अभी किसी तरह की चिंता करने की जरूरत है।

लगातार बूंदाबांदी ने बिगाड़ा हमारा काम : विराट कोहली

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 188 रन का स्कोर बचाव नहीं कर पाने के लिये खराब मौसम को जिम्मेदार ठहराया जिसने गेंदबाजों के लिये स्थिति काफी मुश्किल बना दी थी। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को गेंद पर ग्रिप बनाने में मुश्किल हुई और उन्होंने चार ओवर में 64 रन लुटाये। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर करायी। कोहली ने कहा, ''गेंदबाजों के लिये परिस्थितियां कड़ी थी। शुरू में विकेट गंवाने के बाद हम 175 रन तक पहुंचना चाह रहे थे। मनीष और रैना ने शुरू में अच्छी बल्लेबाजी की। मनीष और धोनी ने बाद में बेहतरीन बल्लेबाजी की और स्कोर 190 रन के करीब ले गये।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस स्कोर पर हम जीत दर्ज कर सकते थे लेकिन

इसके बाद मौसम खराब होने के कारण गेंदबाजों के लिये स्थिति मुश्किल बन गयी। 12वें ओवर तक स्थिति अच्छी थी लेकिन बूंदाबांदी होने से विकेट आसान और गेंद पर ग्रिप बनाना मुश्किल हो गया।'' परिस्थितयों के बारे में कोहली ने कहा, ''आप नहीं चाहते कि खेल रोका जाए। जब पहली पारी में खेल जारी रहा तो हमें पता था कि खेल आगे भी जारी रहेगा। हमें वास्तव में परिस्थितियों से समस्या नहीं थी। हल्की बूंदाबांदी हो रही थी और इसमें खेल हो सकता था।''

उन्होंने कहा, ''दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को श्रेय जाता है। क्लासेन और डुमिनी ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की।'' दक्षिण अफ्रीकी कप्तान जेपी डुमिनी ने अपनी टीम के प्रयासों पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, ''टास के समय हम बात कर रहे थे कि यह सेमीफाइनल जैसा है। गेंदबाजी में हमने जिस तरह से शुरूआत की वह बेजोड़ थी। आखिरी पांच ओवरों में उन्होंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन हमारे बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। आखिर में यह आसान जीत रही।'' डुमिनी ने कहा कि वे डकवर्थ लुईस पद्धति को ध्यान में रखकर लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमने डीएलएस पद्धति को ध्यान में रखकर बल्लेबाजी की। आखिर में यह हमारे पक्ष में रहा क्योंकि इससे हम स्वच्छंद होकर खेल पाये। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब भी हल्की बारिश हो रही थी। हमें पता था हमें शुरू में ही लय बनानी होगी।''

तेंदुलकर ने कहा, टी20 मुंबई लीग युवाओं के लिए अच्छा मंच

मुंबई। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने आज कहा कि आगामी टी20 मुंबई लीग की काफी जरूरत थी क्योंकि यह राज्य के युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मंच होगा। इस लीग के एंबेसडर तेंदुलकर ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मेरा मानना है कि इस तरह (टी20 लीग) की चीज की मुंबई क्रिकेट को जरूरत थी। मुंबई क्रिकेट ने हमेशा भारतीय क्रिकेट की अगुआई की है और आंकड़े इसका सबसे बड़ा सबूत हैं। मुझे इस लीग का हिस्सा बनने की खुशी है।'' उन्होंने कहा, ''मुंबई ने 41 बार रणजी ट्राफी जीती, आपका इतिहास शानदार है। मुझे अब भी याद है बचपन में कामथ मेमोरियल क्लब में पैडी सर (पदमाकर शिवलकर) मुझे गेंदबाजी करते थे। वह संभवत- उस समय मेरी उम्र से तीन गुना बड़े थे लेकिन वह मुझे गेंदबाजी करते थे। इस तरह की चीजें मुंबई में ही होती हैं।'' तेंदुलकर ने कहा, ''अगर युवाओं को मुंबई क्रिकेट के कुछ बड़े नामों के साथ खेलने का मौका मिलेगा तो यह अच्छा होगा। उन्हें सीखने को मिलेगा और इसे लेकर मैं उत्सुक हूं।'' तेंदुलकर के अलावा मुंबई ने अजित वाडेकर, सुनील गावस्कर, चंद्रकांत पंडित, दिलीप वेंगसरकर, संजय मांजरेकर, प्रवीण आमरे, विनोद कांबली से लेकर रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भारत को दिए।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगी सायना और सिंधु

बर्मिंघम (एजेंसी)।

सायना नेहवाल को ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में ही अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी ताइ जु यिंग का सामना करना होगा जबकि पीवी सिंधु को शुरू में आसान ड्रॉ मिला है और उन्हें पहले मुकाबले में थाइलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिडना होगा।

विश्व में 11वें नंबर की सायना 2015 ऑल इंग्लैंड चैंपियनिशप के फाइनल में पहुंची थी। वह पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में ताइवान की विश्व में नंबर एक ताइ जु से हार गई थी। उन्हें अब 14 से 18 मार्च तक चलने वाली चैंपियनशिप में इस खिलाड़ी से बदला चुकता करने और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड सुधारने का मौका मिलेगा। सिंधु को पहले मैच में ज्यादा मुश्किल नहीं होनी चाहिए। उन्हें दूसरे दौर में अमेरिका की बीवेन यांग से भिडना पड़ सकता है जिन्होंने इस भारतीय खिलाड़ी को इंडिया ओपन के फाइनल में हराया था। विश्व में तीसरे नंबर के पुरूष खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत को चैंपियनशिप में तीसरी वरीयता दी गई है। उन्हें शुरूआती दौर में फ्रांस के ब्राइस लेवरडेज का सामना करना

होगा। पुरूष एकल में बी साई प्रणीत और एचएस प्रणय का सामना हालांकि मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से होगा। सिंगापुर ओपन चैंपियन प्रणीत विश्व के पूर्व नंबर एक कोरियाई खिलाड़ी सोन वान हो जबकि विश्व में 11वें नंबर के प्रणय चीनी ताइपै के चोउ तियन चेन से भिड़ेंगे। युगल में चिराग शेट्टी और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी का सामना जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से जबकि प्रणव जेरी चोपड़ा और एन सिक्की रेड्डी का जर्मनी के मार्विन एमिल सीडेल और लिंडा इफलार से होगा। मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी इंग्लैंड के मार्कस एलिस और क्रिस लैंगरिज का सामना करेंगे। अश्विनी पोनप्पा और सिक्की को शुरू में ही मिसाकी मात्सुतोमो और अयाका तकाहाशी की दूसरी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी से भिडना होगा।

इंतजार मुश्किल होता है, यह दिमाग में घर कर जाता है : पांडे

सेंचुरियन। भारतीय बल्लेबाज मनीष पांडे ने कहा कि उन्होंने अपने कुछेक मौकों के लिये इंतजार करते हुए मुश्किल समय का सामना किया है तथा अधिक मौके पर मिलने पर वह स्टार खिलाड़ियों से सजे मध्यक्रम में खुद को नियमित चयन के योग्य साबित कर सकते हैं। पांडे ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 48 गेंदों पर 79 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच छह विकेट से जीतकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करायी। पांडे टीम से अंदर बाहर होते रहे हालांकि उन्होंने जब भी मौका मिला तब उसका फायदा उठाया। इनमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में शतक भी शामिल है। पांडे ने बुधवार रात मैच के बाद कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह (मौके के लिये इंतजार) थोड़ा मुश्किल होता है और यह आपके दिमाग में घर कर जाता है। विशेषकर इस दौरे में मैंने इसे काफी महसूस किया लेकिन यही क्रिकेट है। आपको भारत जैसी टीम, जहां कई दिग्गज खिलाड़ी भरे हैं, में खेलने के लिये अपने लिये मौके का इंतजार करना होता है। इसलिए मैं अपनी तरफ से थोड़ी सी कोशिश कर रहा हूं।'

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी कोच होंगे दक्षिण अफ्रीका के अलफोंसो थॉमस

सेंट जॉंस (एंटिगा) (एजेंसी)।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज अलफोंसो थॉमस को अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है. इसके साथ ही बोर्ड ने कोचिंग और समर्थक स्टॉफ में कई बदलाव किए हैं. ये सारे बदलाव विश्व कप क्वालीफायर और इस साल के अंत में होने वाले महिला टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखकर किए गए हैं.गौरतलब है कि पिछले महीने ही आईसीसी ने विश्वकप की मेजबानी वेस्टइंडीज को सौपी है.

वेस्टइंडीज की टीम के साथ 2016 में विश्व टी-20 अभियान के दौरान संचालक प्रबंधक के रूप में काम करने वाले पूर्व स्पिन गेंदबाज रॉल लेविस को टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया गया है. साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र टी-20 मैच खेलने वाले थॉमस इससे पहले, ब्रिटेन में आयोजित चैम्पियनशिप क्रिकेट में विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे थे.

सीडब्ल्यूआई के निदेशक जिमी एडम्स ने कहा, 'हम टीम के प्रदर्शन को सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं. इसके साथ ही कोचों के अनुभव को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है. हम जानते हैं कि इस साल काफी महत्वपूर्ण मैच होने वाले हैं और हम जानते हैं कि इन नियुक्तियों से वेस्टइंडीज की टीम और भी मजबूत होगी.'

महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी

अभी पिछले महीने ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज को इस साल होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी का जिम्मा सौंपा था. महिला टी20 विश्व कप इस साल नौ से 24 नवंबर तक एंटीगा और बारबुडा, गयाना और सेंट लूसिया में खेला जायेगा. विश्व कप के ग्रुप दौरे के मैच गयाना के नेशनल स्टेडियम और सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में खेले जाएंगे. वहीं एंटिगा एंड बार्बुडा का सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम सेमीफाइनल और फाइनल मैच की मेजबानी करेगा. मेजबान वेस्टइंडीज 2016 में ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता गया खिताब बरकरार रखने की कोशिश में होगा. वेस्टइंडीज के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया, विश्व चैम्पियन इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका नजर आयेंगे. बाकी दो जगह बांग्लादेश, नीदरलैंड, आयरलैंड, पापुआ न्यू गिनीया,

स्काटलैंड, थाईलैंड, युगांडा या संयुक्त अरब अमीरात में से मिलेगी. आईसीसी महिला विश्व कप-2018 की टूर्नामेंट निदेशक जेनिफर निरो ने कहा, 'वह पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार हैं. यह हमारे इस क्षेत्र में महिला क्रिकेट को लेकर फैले जुनून को बताएगा.' इस विश्व कप में भारत के अलावा आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका भी हिस्सा ले रही हैं. इन सभी टीमों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

फीस वृद्धि को लेकर नीजी शाला संचालको के खिलाफ अभिभावक मैदान में

बोर्ड के विद्यार्थियों को होल टिकट नहीं देन की एस.डी. जैन की धमकी

सूरत,। नीजी स्कूल संचालको द्वारा पढाई के नाम पर खुली लूट की जा रही है। ऐसे में इसके पहले कई बार संचालको और अभिभावको के बीच घर्षण होने के बाद मामला उपर लेवल तक पहुंच गया था। ऐसे में बेलगाम नीजी स्कूलों पर सरकार ने लगाम कसी है और सरकारी नीति-नियमों के अनुसार ही फीस उगाहने का आदेश दिया है। हलांकि अभी भी कई स्कूल के संचालक सरकार के आदेश का अनादर कर मनमानी फीस उगाह रहे हैं। साथ ही उनकी मनमांगी फीस नहीं दिये जाने पर स्कूल में नहीं बैठने देने से लेकर निकाल दिये जाने तक की धमकी दी जा रही है। ऐसे में आज पुन: एक बार एस.डी. जैन स्कूल पर अभिभावको ने हंगामा मचाया।

वेसु क्षेत्र में स्थित एस.डी. जैन स्कूल पुन: एक बार विवाद में आ गई है। सरकार ने नीजी स्कूलों के लिए सुनिश्चित फीस वसूलने का आदेश जारी किया है लेकिन उसके बाद भी कई नीजी स्कूल संचालक मनमानी फीस उगाह रहे हैं और जो भी अभिभावक उनकी मनमानी फीस देने को तैयार नहीं हो रहा है उनके बच्चों को स्कूल में से निकाल दिये जाने की धमकी दी जाती है। इसी तरह वेसु की एस.डी. जैन स्कूल के संचालको ने अपनी मनमानी यथावत रखी है। स्कूल की डिमान्ड अनुसार फीस नहीं देनेवाले अभिभावको को गत रोज स्कूल की ओर से फोन किया गया और टेलीफोनिक धमकी दी गई कि जो भी अभिभावक उनके बच्चों की फीस नहीं भरेंगे तो ऐसे विद्यार्थियों को कक्षा 10 और 12 की होल टिकट नहीं दिये जाने की धमकी दी जा रही है। जिसके कारण अभिभावको में आक्रोष फैल गया है। स्कूल संचालको की ओर से मिली धमकी के बाद आज अभिभावको का टोला एस.डी. जैन स्कूल पहुंच गया था और भारी हंगामा मचाया। अभिभावको का कहना था सरकार के नीति नियमों के अनुसार फीस वसूल की जाये और हम फीस देने के लिए तैयार हैं लेकिन एस.डी. जैन स्कूल के संचालक मनमानी फीस उगाह रहे हैं। जो हमें मंजूर नहीं है। अभिभावको ने कहा कि प्रत्येक अभिभावको को स्कूल से फोन कर धनकी दी गई है। सरकार ने नीजी स्कूलों के लिए सुनिश्चित फीस वसूलने का आदेश जारी किया है लेकिन उसके बाद भी कई नीजी स्कूल संचालक मनमानी फीस उगाह रहे हैं और जो भी अभिभावक उनकी मनमानी फीस देने को तैयार नहीं हो रहा है उनके बच्चों को स्कूल में से निकाल दिये जाने की धमकी दी जाती है। इसी तरह वेसु की एस.डी. जैन स्कूल के संचालको ने अपनी मनमानी यथावत रखी है। स्कूल की डिमान्ड अनुसार फीस नहीं देनेवाले अभिभावको को गत रोज स्कूल की ओर से फोन किया गया और टेलीफोनिक धमकी दी गई कि जो भी अभिभावक उनके बच्चों की फीस नहीं भरेंगे तो ऐसे विद्यार्थियों को कक्षा 10 और 12 की होल टिकट नहीं दिये जाने की धमकी दी जा रही है। इस संदर्भ में वे कलेक्टर से भी शिकायत करेंगे। जिससे आगामी दिनों में यह मामला और गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

मार्केट के 44 कपडा व्यापारियों के साथ 2.48 करोड की ठगी

सूरत,। सलाबतपुरा पुलिस सीमा में स्थित जश टेक्साटइल मार्केट के एक कपडा व्यापारी सहित 44 कपडा व्यापारियों के पास से 7 लोगों ने उधार में 2.48 करोड रुपये का ग्रे-कपडे का माल खरीदने के बाद पैमेन्ट न देकर ठगी की। जिनके खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई है।

घटना के संदर्भ में सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंगरोड, जश मार्केट में दयाराम सिल्कमिल्स प्राइवेट लिमिटेड के डिरेक्टर विपुल सुखाभाई भादाणी ने दर्ज कराई शिकायत के अनुसार संजय रामजीदास जुनेजा सहित सात लोगों ने उनके पास से तथा अन्य कुल 44 व्यापारियों के पास से गत 26 दिस बर 2013 से 27 मार्च 2014 दौरान उधार में ग्रे-कपडे का माल खरीद 2.40 करोड रुपये का पैमेन्ट नहीं दिया। वारंवार की उगाही के बावजूद पैमेन्ट नहीं देने पर तमाम सातों ठगों के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई है।

रायन द्वारा फीस को लेकर विद्यार्थियों की स्कूल बस सेवा बंद करने का निर्णय

सूरत,। डुमस रोड पर स्थित रायन इन्टरनेशनल स्कूल में पुन: एक बार अभिभावको ने हंगामा मचाया। सरकारी नीति नियमों से अधिक फीस स्कूल संचालको द्वारा मांगे जाने पर अभिभावको ने फीस देने से मना कर दिया था। हलांकि स्कूल संचालको ने भी सरकार के आदेश के उपर जाते हुये स्कूल में अ यास करनेवाले विद्यार्थियों की एक्टीविटी बंद करा दी थी और उसके बाद स्कूल संचालको ने स्कूल बस सेवा बंद करने की भी धमकी दी है। जिससे अभिभावक आक्रोषित हो गये और आज सुबह अभिभावको का टोला स्कूल पर पहुंच गया। जहां अभिभावको ने भारी हंगामा मचाया।

डुमस रोड पर स्थित रायन इन्टरनेशनल स्कूल पर अभिभावको द्वारा इसके पहले भी फीस को लेकर हंगामा मचाया गया था। अभिभावको ने स्कूल संचालको को कहा था कि सरकारी नीति-नियम अनुसार तय फीस देने के लिए तैयार है लेकिन अधिक फीस नहीं चुकायेंगे। ऐसे में स्कूल संचालक भी दादागिरी पर उतर आये और अपने निर्णय पर कायम रहते हुये अपनी मनमानी फीस डिमान्ड जारी रखी। जिन विद्यार्थियों के अभिभावको ने स्कूल की मांग के अनुसार फीस नहीं भरी ऐसे विद्यार्थियों की एक्टिविटी पिछले कई दिनों से बंद कर दी गई है और विद्यार्थियों पर फीस भर देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। साथ ही आगामी दिनों में जिन विद्यार्थियों की फीस नहीं भरी गई है ऐसे विद्यार्थियों की स्कूल बस सेवा बंद करने की धमकी दी जा रही है। जिससे अभिभावक आक्रोषित होकर आज सुबह स्कूल पर एकत्रित हुये और वहां भारी हंगामा मचाया। जिससे आखिरकार संचालको को पुलिस बुलानी पडी। अभिभावको के टोले को देख पुलिस के साथ-साथ अन्य सिक्युरिटी गार्ड को भी स्कूल परिसर में तैनात कर दिया गया था। स्कूल संचालक भी दादागिरी पर उतर आये और अपने निर्णय पर कायम रहते हुये अपनी मनमानी फीस डिमान्ड जारी रखी। जिन विद्यार्थियों के अभिभावको ने स्कूल की मांग के अनुसार फीस नहीं भरी ऐसे विद्यार्थियों की एक्टिविटी पिछले कई दिनों से बंद कर दी गई है और विद्यार्थियों पर फीस भर देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। साथ ही आगामी दिनों में जिन विद्यार्थियों की फीस नहीं भरी गई है ऐसे विद्यार्थियों की स्कूल बस सेवा बंद करने की धमकी दी जा रही है। रायन स्कूल में अभिभावको के हंगामे की जानकारी होते ही एज्युकेशन इन्स्पेक्टर भी रायन स्कूल पर पहुंच गये थे। इसके अलावा पैरेन्ट्स एसोसियेशन के प्रमुख जितेन्द्र भी घटना स्थल पर हाजिर हो गये। आगामी दिनों में यह मामला और गरमाने की संभावना दिखाई दे रही है।

धीरज सन्स कराया गया बंद, स्ट्रक्चरल स्टेबिलीटी की होगी जांच

सूरत,। बुधवार शाम शहर में धीरज सन्स और आदर्श सोसायटी का स्लेब टूटकर गिरने की घटना में तीन श्रमजीवियों की जान गई थी। इस घटना के बाद पुलिस ने तो कार्यवाही शुरु की है, साथ ही सूरत महानगरपालिका द्वारा भी जांच की औपचारिकता शुरु कर दी गई है। ऐसा जानने को मिला है कि धीरस सन्स बंद करा दिया गया है और उसके स्ट्रक्चर के स्टेबिलीटी जांच हेतु कार्यवाही शुरु कर दी गई है। साथ ही आदर्श सोसायटी के केस में भी जांच शुरु किये जाने की जानकारी मनपा सूत्रों से मिली है। धीरज संस उसके पहले भी भवन निर्माण को लेकर कई बार चर्चा में आ चुका है। नियम के खिलाफ निर्माण कार्य करने और पार्किंग की जगह में अतिक्रमण की व्यापक शिकायत धीरज संस को लेकर हुई थी। धीरज सन्स को लेकर कई मामले में आंख बंद रखने का कार्य मनपा के अधिकारियों द्वारा किये जाने की चर्चा भी सतत होती रही है। हलांकि गत रोज स्लेब टूटकर गिरने से एक कर्मचारी की मौत हो गई जिसके बाद यह मामला पुन: चर्चा में आ गया है। मनपा सूत्रों के अनुसार फिलहाल धीरज सन्स को बंद करा दिया गया है और धीरज सन्स के संचालको के पास से स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी की रिपोर्ट मांगी गई है। जिसके बाद यदि धीरज सन्न भवन की स्ट्रक्चर मजबूत होगा तभी यह मोल पुन: शुरु किया जा सकेगा। हलांकि चर्चा ऐसा है कि धीरज सन्स अधिकारियों का चहिता है और विवाद शांत होते ही पुन: सब कुछ यथावत हो जायेगा।

दूसरी ओर आदर्श सोसायटी के केस में भी जांच शुरु किये जाने की जानकारी मिली है। सूरत मनपा सूत्रों के अनुसार महेश पटेल की ईमारत धसने के पिछे क्या कारण हो सकता है उसकी जांच शुरु की गई है। गत रात आठ बजे के करीब रिनोवेशन की कार्यवाही दौरान पहले मंजिले का स्लेब

डिंडोली में अड्डे पर झगडा, मुखबीर होने की शंका में बुटलेगर सहित तीन ने युवक पर किया हमला

सूरत,। डिंडोली आर. डी. फाटक समीप गत रात एक शराब के अड्डे पर शराब पीने गये युवक पर बुटलेगर सहित तीन लोगों ने पुलिस का मुखबिर होने की शंका के आधार पर लकडी के फटके से हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। हमले के बाद घायल युवक को ईलाज के लिए समीप के अस्पताल ले जाया गया।

डिंडोली पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ओलपाड के सायण गांव, धनलक्ष्मी सोसायटी में रहनेवाला दीपक शंकर चौधरी सूरत में किसी कंपनी में नौकरी करता है। गत रात करीब 9 बजे वह एक मित्र के साथ डिंडोली के आरडी फाटक, लक्ष्मी नारायण सोसायटी समीप कार्यरत शराब के अड्डे पर शराब पीने के लिए गया था। उस समय भूंसण और अन्य दो लोगों ने उसे पुलिस का मुखबिर है मुखबिरी करने आया है कहकर उसे मारा-पीटा तथा लकडी के फटके से सिर के भाग में हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। इस घटना के चलते स्थल पर भारी भाग-दौड मच गई। दीपक चौधरी का मित्र उसे घायलावस्था में ईलाज के लिए समीप के बाबा मेमोरियल अस्पताल ले गया। घटना की जानकारी मिलते ही डिंडोली पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई और जांच कार्यवाही शुरु की। गत रात करीब 9 बजे वह एक मित्र के साथ डिंडोली के आरडी फाटक, लक्ष्मी नारायण सोसायटी समीप कार्यरत शराब के अड्डे पर शराब पीने के लिए गया था। उस समय भूंसण और अन्य दो लोगों ने उसे पुलिस का मुखबिर है मुखबिरी करने आया है कहकर उसे मारा-पीटा तथा लकडी के फटके से सिर के भाग में हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि भूषण बुटलेगर है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही जारी है।

धीरज सन्स प्रकरण में जांच के बाद अपराध दर्ज करने के संदर्भ में लिया जायेगा निर्णय: पीआई

सूरत,। अठवा गेट क्षेत्र में स्थित धीरज सन्स मेगा स्टोर में गत रोज स्लेब धराशाही होने की घटना में एक कर्मचारी की मौत हुई थी। इस घटना में उमरा पुलिस ने जांच शुरु की है और जांच दौरान बेदरकारी जान पडने पर अपराध दर्ज किया जायेगा।

उमरा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार धीरज सन्स मेगा स्टोर में हुई दुर्घटना के संदर्भ में जांच कार्यवाही चल रही है। इस संदर्भ में उमरा पीआई भरवाड के साथ हुई बातचित में उन्होंने कहा कि घटना के संदर्भ में फिलहाल दुर्घटना मौत का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच कार्यवाही जारी है। जांच दौरान कोई बेदरकारी सामने आयेगी तो उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया जायेगा। धीरज सन्स मेगा स्टोर में हुई दुर्घटना के संदर्भ में जांच कार्यवाही चल रही है। इस संदर्भ में उमरा पीआई भरवाड के साथ हुई बातचित में उन्होंने कहा कि घटना के संदर्भ में फिलहाल दुर्घटना मौत का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच कार्यवाही जारी है। इस घटना में मेगा स्टोर में काम करने वाले रुमसिंहभाई जीयाभाई वसावा (निवास नानपुरा महालक्ष्मी रेसीडेन्सी) की मौत हो गई थी।

पांडेसरा में मिला नवजात बालक

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा के चीकूवाड़ी के सामने बुधवार को गली में एक नवजात बालक मिलने से स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चा होती रही। पांडेसरा पुलिस ने बालक का कब्जा लेकर बालक को त्याग देने वाली माता की खोजबीन में लग गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा के चीकूवाड़ी क्षेत्र आविर्भाव सोसाइटी-1, प्लोट नं. 396-397 के सामने गली में किसी निष्ठुर माता ने अपने नवजात हालक को त्यागकर फरार हो गई। सोसाइटी में रहने वाले नारायण लाल कुमावत ने नवजात बालक को देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचित किए। पुलिस स्थल पर पहुंचकर बालक को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। जबकि स्थानीय लोगों में चर्चा रही कि किसी महिला ने अपने पाप को छुपाने के लिए मासूम बालक को फेककर फरार हो गई।

उधार में कपड़ा लेकर 13.31 लाख की ठगी

सूरत। शहर के रिंग रोड स्थित कपड़ा मार्केट के व्यापारी के पास से उधार में ग्रे कपड़ी की खरीदी करके कपड़ा की दलाली करने वाले दो ठग व्यापारी 13,31,069 रुपए का माल लेने के बाद दुकान बंद करके फरार हो गए जिसकी रिपोर्ट सलाबतपुरा पुलिस में दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत टेक्सटाइल मार्केट में कपड़ा का व्यापार करने वाले दुर्गेश भरूलाल पालीवाल सूरत टेक्सटाइल मार्केट की सी-2021 में दुकान चलाते हैं। इनके पास कपड़ा की दलाली करने वाले गजेन्द्र बी एम गजानंज एजेंसी के मालिक (निवासी-फ्फ्लैट नं. 307 , आस्ता रेजीडेंसी, 7/43-47 कुंभार शेरी सूरत) तथा के सुब्रमण्यम कृष्णराव ने दुर्गेश के पास से 13,31,059 रुपए का ग्रे कपड़ा उधार में लेकर उसका भुगतान समय पर कर देने का वादा किए थे। लेकिन आरोपियों ने समय पूरा होने के बाद भी नहीं दिए। इस दौरान ही दोनों आरोपी दुकान बंद करके लापता हो गए और उनके मोबाइल फोन भी बंद हो गए हैं। दुर्गेश भाई ने अपने साथ धोखाधड़ी होने का अहसास होने पर सलाबतपुरा में दोनों ठग व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

राहुल गांधी के बुलावे पर दिल्ली पहुंचे कांग्रेस के कुछ विधायक

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के बुलावे पर अल्पेश ठाकोर समेत कई विधायक दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। इन विधायकों को क्यों बुलाया गया है, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। गुजरात विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में आज इन विधायकों की अनुपस्थिति के बाद पता चला है कि ये सभी राहुल गांधी से मिलने दिल्ली गए हैं। इन विधायकों में अल्पेश ठाकोर, अश्विन कोटवाल, अमित चावड़ा, कुंवरजी बावलिया, पूंजाभाई वंश और हिम्मतसिंह पटेल शामिल हैं।

वराछा और सलाबतपुरा में गिरने से दो की मौत

संवाददाता, सूरत। शहर में गिरने से मौत होने की दो अलग-अलग घटनाएं प्रकाश में आई हैं। वराछा के एलएच रोड पर तीसरी मंजिल से तथा सलाबतपुरा में सीढ़ी से गिरने के कारण दो महिलाओं की मौत हो गई। प्रपात जानकारी के अनुसार वराछा के एलएच रोड भगीरथ सोसाइटी भाग-2 घर नं. 82 में रहने वाले मुकेशभाई मकवाणा की पत्नी सीमाबेन (39 वर्ष) गत रोज अपने घर की तीसरी मंजिल से अचानक नीचे गिर गई थी। जिनों गंभीर हालत में स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर देर रात्रि को 11 बजे सीमाबेन की मौत हो गई।

जबकि अन्य एक घटना में सलाबतपुरा के धमलावाड शेरी-3/1869 में रहने वाली पुष्पाबेन शांतीलाल लुंगीवाला (74 वर्ष) गत 20 फरवरी को सीढ़ी पर से गिरने के कारण घायल हो गई थीं। जिनको इलाज के लिए सूरत की जनरल अस्पताल में ले जाया गया था। जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के संदर्भ में वराछा और सलाबतपुरा पुलिस आकस्मिक मौत का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

बेटी के प्रेम प्रसंग को लेकर मां ने की आत्महत्या

स्वतंत्र राजस्थान संवाददाता, सूरत। लालगेट क्षेत्र में रहने वाली युवती प्रेम विवाह करने वाली थी। जिससे युवती की मां ने तनाव में आकर कंक्रोच मारने की दवा पीकर आत्महत्या कर ली। घटना के बारे में लालगेट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालगेट विस्तार के सैयदपुरा पेट्रोल पंप के पास एसएमसी टेनामेंट में रहने वाली भारतीबेन दिनेशभाई राठौड (38 वर्ष) की बड़ी बेटी का प्रेम प्रसंग चल रहा है। बेटी अपने प्रेमी के साथ विवाह करने वाली थी। इस बात को लेकर भारतीबेन पिछले काफी समय से तनाव में चल रही थीं। बुधवार को शाम के समय भारतीबेन ने कंक्रोच मारने की दवा पी ली थी। जिनको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में इलाज कराने के बाद गहन इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां शनिवार को दोपहर के समय भारतीबेन की मौत हो गई। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

विद्यार्थियों को परीक्षा की होल टिकट नहीं देने पर स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी : शिक्षा मंत्री

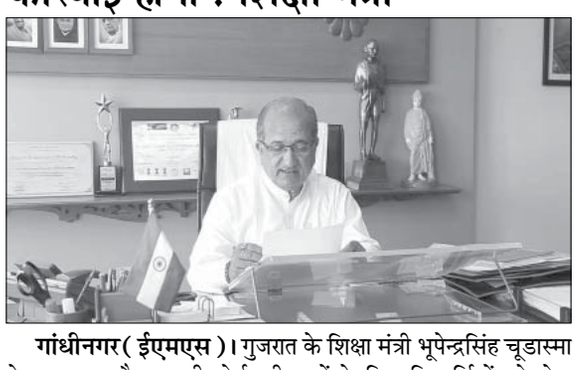

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को होल टिकट नहीं देनेवाली स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। शिक्षा मंत्री ने निजी स्कूलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि गुजरात सरकार ने राज्य के विद्यार्थियों के हित में फीस नियमन अधिनियम कानून बनाकर घर बैठे सस्ती शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिभावकों के पक्ष में फैसला सुनाया है और राज्य सरकार इसका स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि राज्य में आगामी 12 मार्च से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि फीस की वजह से राज्य के एक भी विद्यार्थी का भविष्य नहीं बिगड़ेगा। कई स्कूलों ने फीस नहीं भरने पर विद्यार्थियों को परीक्षा की होल टिकट नहीं देने की धमकी दी है। धमकी को गलत करार देते हुए शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कहा कि फीस बकाया होने पर होल टिकट नहीं देने की बाबत किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली स्कूलों को बख्शा नहीं जाएगा और सरकार इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। इतना ही नहीं दोषी पाए जाने पर सरकार ऐसी स्कूलों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। शिक्षा चूडास्मा ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का प्रेम से स्वीकार कर समय पर उसका अमल करने की राज्य के स्कूल संचालकों से अपील की है। साथ ही अभिभावकों से धैर्य रखने की सलाह दी है।

पीएम मोदी कल दीव और दमण में हवाई सेवा का प्रारंभ करवाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी फरवरी को दीव से अहमदाबाद प्लेन और दीव से दमण के बीच हेलीकॉप्टर सेवा का प्रारंभ करवाएंगे। इस सेवा के प्रारंभ होने की खबरों से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। खासकर दीव से अहमदाबाद आनेवाले व्यापारियों को इस फैसले ने काफी राहत पहुंचाई है। हवाई सेवा शुरू होने से दीव, दमण और सोमनाथ की ओर जानेवाले यात्रियों में खुशी छा गई है। क्योंकि अब वे कम समय में यात्रा कर सकेंगे। हवाई सेवा शुरू होने खबरों से सोमनाथ, जूनागढ और अमरेली के लोगों में खुशी का माहौल है। प्लेन और हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से दीव से अहमदाबाद जाने के लिए अब स्थानीय लोग 8 घंटों की बस यात्रा से मुक्ति मिलेगी और केवल एक घंटे में दीव से अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। स्थानीय व्यापारियों के मुताबिक उन्हें प्लबरिंग का सामान लेने के लिए बार बार अहमदाबाद जाना पड़ता है। जिसमें डेढ़ से दो दिन का समय लग जाता है और यात्रा में काफी थकान लगती है। लेकिन अब हवाई सेवा शुरू होने से एक ही दीन में आवागमन के साथ ही काम भी सरलता से पूरा हो जाएगा। गौरतलब है कि दीव से शुरू होनेवाली हवाई सेवा में फिलहाल 17 सीटें उपलब्ध हैं और दीव से अहमदाबाद का किराया करीब रु. 2000 होगा।

भावनगर के बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से भावनगर शहर-जिला के ६० से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने विधानसभा में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इन वरिष्ठ नागरिकों ने गुजरात के इस वर्ष के बजट में मा-अमृतम वात्सल्यम योजना का लाभ छह लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों एवं वृद्धों को प्रदान करने के कल्याणकारी अभिगम के लिए मुख्यमंत्री श्री रूपाणी की बुजुर्ग वंदना की सराहना की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले 'मावतर' संस्था के इन वरिष्ठ नागरिकों ने राज्य के इतिहास में पहली बार नी रिप्लेसमेंट और हिप रिप्लेसमेंट के लिए ६० हजार रुपये तक की उदार सहायता के संवेदनापूर्ण अभिगम के लिए भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को राज्य के तीर्थ स्थलों और यात्राधामों का प्रवास राज्य सरकार द्वारा करवाए जाने के उद्देश्य से शुरू की गई श्रवण तीर्थ यात्रा योजना को भी उन्होंने सराहा।

ट्रक और जीप के बीच दुर्घटना में 3 लोगों की मौत, 3 गंभीर

बनासकांठा (ईएमएस)। उत्तरी गुजरात में पालनपुर-आबूरोड पर ट्रक और जीप के बीच हुई जबर्दस्त दुर्घटना में तीन लोगों की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में घायल अन्य तीन लोगों की हालत नाजुक बताई गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उत्तरी गुजरात में पालनपुर-आबूरोड से गुजर रही एक जीप सामने से आ रहे ट्रक के साथ तेज धमाके के साथ टकरा गई। इस हादसे में जीप में सवार तीन लोगों की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल इन तीनों की हालत भी नाजुक बताई गई है। जीप आबू रोड की ओर से आ रही थी, उस वक्त रास्ते में अचानक गाय आ गई। इस हादसे में जीप में सवार तीन लोगों की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गाय को बचाने के प्रयास में जीप चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और जीप सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू कर दिया। दुर्घटनामें मारे गए लोगों की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com